समकालीन साहित्य में किन्नर विमर्श

प्रधान संपादक
डॉ. संजय जायसवाल

संपादक
प्रकाश कुमार त्रिपाठी

प्रगति प्रकाशन

समकालीन साहित्य में किन्नर विमर्श
(SAMKALIN SAHITYA ME KINNAR VIMARSH)

ISBN NO. – 978-93-5915-220-2

त्रुटि संशोधन – विनोद यादव

आवरण सज्जा – शशिकांत सिंह

संस्करण – प्रथम 2023

सर्वाधिकार – प्रगति शोध फाउंडेशन

मुद्रक – ज्ञान भारती, कोलकाता

मूल्य – ₹ 1199 /- मात्र

प्रकाशक :-

प्रगति प्रकाशन
कोन्नगर, हुगली, पश्चिम बंगाल
9874571324, 7355287591

41. हिंदी कथा साहित्य में किन्नर जीवन
सूर्जलेखा ब्रह्म 286
42. साहित्य में थर्ड जेंडर : हाशिये की दुनिया
डॉ. कृष्णा कुमारी 292
43. समकालीन कहानियों में किन्नर विमर्श
नेहा कुमारी 300
44. भारतीय समाज में तृतीय लिंगी समुदाय और सामाजिक न्याय
प्रिया सिंह 308
45. मैं पायल ..... किन्नर और समाज
डॉ. वनिता आग्रे पटवारी 312
46. संभ्रांत समाज की खाल खोलता किन्नर विमर्श
डॉ. मीना भाऊराव घुमे 318
47. मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी आत्मकथा में चित्रित किन्नरों की समस्या
अंजीता वेलीप 325
48. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में किन्नर समाज का संघर्ष एवं व्यथा
डॉ. सुनीता शिवशंकर बुंदेले 232
49. किन्नर विमर्श के आलोक में समकालीन साहित्य
डॉ. मीरा कुमारी 338
50. किन्नर इतिहास एवं वर्तमान
नाबम यामी 349
51. किन्नर जीवन अधूरी जिंदगी का सामाजिक यथार्थ
अशोक आशीष 361
52. किन्नर जीवन का संघर्ष और समाज
आपी लंकाम 369
53. प्रमुख किन्नर विमर्श केन्द्रित उपन्यास और संवैधानिक अधिकार
प्रेमकला यादव 373
54. सामाजिक रूप से उपेक्षित ट्रांसजेंडर समुदाय के जीवन में
साइबर स्पेस की भूमिका - स्वाति चौधरी 382
55. समकालीन साहित्य में किन्नर विमर्श
डॉ. रश्मि वार्ष्णेय 385
56. थर्ड जेंडर : राजनीति की ओर बढ़ते कदम
रीता दास 392
57. संघर्ष से शिखर तक - आत्मकथा : मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी
डॉ. आस्था तिवारी 400